राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
नवम्बर, 2018

वर्ष–15 **अंक–10**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रेल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पषुचिकित्सा एवं पषु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पूर्वानुमान नवम्बर माह, 2018 हेतु प्रस्तुत है।

सावधानियाँ व सुझाव–

- नवम्बर माह में रात का तापक्रम कम हो जाता है इस स्थिति में पषुओं को सर्दी से बचाने के लिए रात में खुले में ना बांधें।
- पषुओं को इस माह से चार–बांटे की मात्रा थोड़ी बढ़ा देवे क्योकि सर्दी में ऊर्जा की आवष्यकता अधिक होती है।
- पषुओं को लवण–मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बांटे में मिलाकर देवें। गुलाबी सेंधा नमक इस हेतु सर्वोतम माध्यम है।
- पषुओं को परजीवी नाषक दवा देव एवं परजीवी–नाषक दवा को हर बार बदल–बदल कर उपयोग में लें। इससे पषुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ दुग्ध उत्पादन भी बढेगा।
- इस समय पैदा होने वाले नवजात पषुओं को सर्दी से बचाने का विषेष ध्यान रखें व उन्हें समुचित मात्रा में खीस पिलाएं।
- किसी भी पषु में लगातार बुखार, दस्त, नाक से पानी आना जैसे न्यूमोनिया के लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत अन्य पषुओं से पृथक कर देवें तथा निकटतम पषु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें।
- पषु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित ही रखें व सूखे चारे की मात्रा मिलाकर दें।
- यदि मुंहपका–खुरपका, पी.पी.आर., फड़किया, छोटी माता, गलघोंटू, ठप्पा रोग के टीके नहीं लगवाएं हो तो अब लगवा लें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान – नवम्बर, 2018

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुंह–खुरपका रोग (Foot & Mouth Disease)	गाय, भैंस, बकरी, भेड़	धौलपुर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पाली बांसवाड़ा, भरतपुर, जयपुर, बीकानेर, दौसा, अलवर, अजमेर, भीलवाडा
पी.पी.आर. (P.P.R.)	बकरी, भेड़	पाली, सिरोही, सवाईमाधोपुर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, सीकर, जयपुर, बीकानेर, चूरू, नागौर
चेचक/माता रोग (Pox)	ऊंट, बकरी, भेड़	बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर, हनुमानगढ़, नागौर, पाली, सिरोही
गलघोंटू (Haemorrhagic septicemia)	भैंस, गाय	जयपुर, भीलवाड़ा, अलवर, दौसा, टौंक, बूंदी, राजसमन्द, सीकर, सवाईमाधोपुर, भरतपुर
न्यूमोनिक पाष्चूरेलोसिस	भैंस, गाय, बकरी, भेड़	सीकर, अलवर, टोंक, जालोर, जयपुर, झुंझुनू, बीकानेर
फड़किया रोग (Enterotoxaemia)	बकरी, भेड़	टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बांसवाड़ा, जयपुर, बीकानेर, धौलपुर
Enzootic Abortion in Ewes /Chlamydial Abortion	भेड़	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, दौसा
बबेसियोसिस, थाईलेरिओसिस	गौवंष	बीकानेर, धौलपुर, बूंदी, चूरू, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़, कोटा, बारां
अन्तः परजीवी (गोल–कृमि, पर्ण–कृमि एवं फीता–कृमि)	भैंस, गाय, भेड़, बकरी, ऊंट	भरतपुर, कोटा, धौलपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, बीकानेर, सीकर, अलवर, चूरू

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – डॉ. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183 टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री भारत सरकार की सेवार्थ बुक पोस्ट
अंक 15 (11) 2018

सेवा में

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विष्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org